''बिपरजॉय'' से उनियारा क्षेत्र में स्थित गलवा बांध एक ही दिन में लबालब

प्रशासन ने निचली बस्तियों को खाली करवाने का काम शुरू किया

टोंक/चौरु/उनियारा, (निसं)। बिपरजॉय तूफान और भारी बारिश के कहर के बाद जिले के कई बांध और तालाबों को संजीवनी मिली है। टोंक जिले के कई बांध छलक गए वहीं कुछ बांध छलकने के कगार पर हैं। टोंक शहर के उनियारा क्षेत्र में स्थित गलवा बांध भी एक ही दिन में लबालब हो गया है। इसके बाद प्रशासन ने निचली बस्तियों को खाली करवाने का काम शुरू कर दिया है। नगरफोर्ट कस्बे में भी भारी बारिश के बाद वहां का तालाब ओवरफ्लो हो गया है। इसके अलावा जिले के कई बांधों में करीब 40 प्रतिशत तक पानी भर चुका है।

राजस्थान के कच्चे बांधों में दसवें स्थान पर उनियारा का गलवा बांध बिपरजॉय तूफान के चलते हुई भारी बारिश से एक ही दिन में छलक गया है। गलवा बांध की पूर्ण भराव क्षमता 20 फीट है। इस दौरान पानी की आवक के बाद मंगलवार रात गलवा बांध भरकर छलक गया हैं। बांध पर एक इंच की चादर चल रही हैं। जानकारी के अनुसार गलवा बांध पर चादर चलने के साथ ही प्रशासन अलर्ट मोड पर आ जाता है। हर बार मानसून सीजन में पानी की बंपर आवक पर बांध के डाउनस्ट्रीम के गांवों और बस्तियों में पानी घुस जाता है। लेकिन फिलहाल वहां की स्थिति नियंत्रण में हैं।

बांध छलकने की सूचना पर रात को ही उपखंड प्रशासन, सिंचाई विभाग के अधिकारी और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। जहां उन्होंने गलवा बांध में जलभराव की स्थिति को लेकर समीक्षा की। इसके बाद बुधवार सुबह से ही बांध की डाउनस्ट्रीम में बसी हुई बस्तियों को खाली करवाने का काम शुरू किया जा रहा है। फिलहाल प्रशासन गलवा बांध को लेकर पूरी मुस्तैदी से स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

वहीं मानसून सीजन में बीसलपुर बांध से व्यर्थ बहने वाले पानी को रोकने के लिए उनियारा उपखण्ड में ईसरदा डैम बनाया जा रहा है। वहीं तूफान के चलते ईसरदा कॉफर डैम भी में पानी का जलस्तर बढ़ गया है। इसके चलते कॉफर डैम के 3 चैनल गेट खोल कर नदी में आ रहे पानी को डायवर्ट कर निकालना शुरू कर दिया गया है। बता दे कि ईसरदा मुख्य बांध निर्माण का कार्य प्रगति पर चल रहा है। इस निर्माण कार्य में बाधा नहीं पहुंचे। इसके लिए कॉफर डेम के चैनल गेट से पानी को डायवर्ट किया गया है।

उनियारा क्षेत्र में स्थित गलवा बांध भी एक ही दिन में लबालब हो गया।

'प्रभावितों को आपदा प्रबंधन कोष से मिले सहायता'

- देवनानी ने सीएम गहलोत को पत्र लिख कर अजमेर में हुई तबाही और नुकसान से पीड़ित लोगो को आपदा प्रबंधन कोष से राहत देने की मांग की

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री और अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर बिपरजोय चक्रवती तूफान से अजमेर में हुई तबाही और नुकसान से पीड़ित लोगो को आपदा प्रबंधन कोष से राहत देने की मांग की है और जिन इलाकों में भारी बारिश और तूफान के कारण जो नुकसान हुआ है उसके लिए विशेष आर्थिक पैकेज घोषित कर मुआवजा देने की मांग की है।

देवनानी ने सीएम को लिखे पत्र में जिला प्रशासन की लापरवाही का भी जिक्र किया और कहा कि मौसम विभाग द्वारा अजमेर को रेड अलर्ट चेतावनी देने के बाद भी प्रशासनिक तौर पर कोई व्यवस्था नहीं की गई। इसके चलते रविवार और सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश से शहर की सागर विहार, वन विहार, अरिहंत कॉलोनी, महावीर कॉलोनी, वैशाली नगर, प्रताप नगर, वार्ड 67 शिवाजी पार्क, नागफणी, ब्रह्मपुरी, तोपदड़ा, भजनगंज, राबड़िया मोहल्ला, गुलाबबाड़ी सहित दो दर्जन से अधिक कॉलोनियां जलमग्न हो गई और कई मकान भी गिर गए।

देवनानी ने संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू असपताल प्रशासन की नाकामी का भी जिक्र किया और बताया कि अस्पताल प्रशासन ने भी कोई पूर्व तैयारी नही की जिसके कारण असपताल में पानी भर गया। उन्होंने कहा कि अस्पताल का ड्रेनेज सिस्टम फेल होने के कारण वार्डों और अस्पताल परिसर से जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है और जगह जगह कचरे के ढेर लगे हुए है। जिसके कारण अस्पताल ने पूर्व से भर्ती और नए मरीजों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। देवनानी ने कहा कि बिपरजोय से निपटने में प्रशासन का कुप्रबंधन नजर आया और इस आपदा का सामना करने के इंतजाम नहीं किए गए। सिर्फ कागजी एडवाइजरी के कारण तूफान से निपटने की प्रशासन की तैयारी धरी रह गई। जिला प्रशासन ने ना तो टास्क फोर्स का गठन किया और ना ही निचले इलाकों में भारी बारिश का पानी जाने से रोकने और प्रभावितों को अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने व पुनर्वास की कोई वैकल्पिक व्यवस्था की।

देवनानी ने पत्र में मुख्यमंत्री से अजमेर शहर के जिन इलाकों में भारी बारिश और तूफान के कारण जो नुकसान हुआ है, उसके लिए विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा एवं संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं को भी शीघ्र दुरूस्त करवाने के लिए लिखा।

तेज आंधी के साथ हुई बारिश

बीदासर, (निसं)। कस्बे में मंगलवार की देर शाम तेज आंधी के साथ बरसात हुई। जिससे कस्बेवासियों को गर्मी व उमस से कुछ राहत मिली। लेकिन जमकर बरसात न होने से उमस बढ़ गई। उमस के चलते लोगों का हाल बेहाल हो गया। वहीं हल्की बरसात से कस्बे के मुख्य मार्गो पर जगह-जगह किचड़ हो गया। बुधवार को भी दिनभर उमस से लोग परैशान रहे।

संभागीय आयुक्त ने जे.एल.एन. अस्पताल का निरीक्षण किया

- वार्डों में पानी भरने की समस्या पर पीडब्ल्यूडी व अस्पताल प्रशासन के साथ वार्ता की

अजमेर, (कासं)। बिपरजॉय के चलते तेज हवाओं के साथ करीब दो दिन तक हुई बारिश से बिगड़े हालातों का जायजा लेने संभागीय आयुक्त सी आर मीणा शहर में निकले, जहां उन्होंने सबसे पहले अजमेर संभाग के सबसे बडे जवाहरलाल नेहरू अस्पताल का निरीक्षण किया और अस्पताल के वार्डों में पानी भरने की समस्या पर पीडब्ल्यूडी व अस्पताल प्रशासन के साथ वार्ता कर अस्पताल में भरने वाले पानी को रोकने पर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये। साथ अस्पताल के वार्डो में पानी भरने की समस्या की पुनार्वर्ती न हो इसके लिये अस्पताल प्रशासन व पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि दोनो विभाग अस्पताल के चारों बने नालों से अस्पताल में आने वाले पानी को कैसे रोकें एवं बिल्डिंग के बारे एक शॉर्ट रिपोर्ट तैयार कर राजस्थान सरकार को भेजें ताकि जल्द से जल्द अस्पताल में पानी भरने की समस्या से निजात मिल सके।

'सम्पर्क से समर्थन' अभियान में प्रमुख भाजपा नेताओं की सहभागिता

जयपुर। प्रधानमंत्री के 9 वर्ष के सफल कार्यकाल को प्रबुद्धजनों एवं विशिष्ट व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए चलाये जा रहे ''सम्पर्क से समर्थन अभियान'' के अन्तर्गत प्रदेश के प्रमुख नेताओं ने सम्पर्क किया। संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने उदयपुर शहर में पूर्व पुलिस महानिरीक्षक टी.सी डामोर, सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष शांतिलाल से भेंट की। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने पूर्व आयुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन देव किशन सैनी, वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष सैनी, सेवानिवृत्त चिकित्सक सीएल गहलोत, सेवानिवृत्त प्रिंसिपल डॉ. आईएन आर्या और साहित्यकार मुरारीलाल महर्षि से मुलाकात कर मोदी सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 9 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में चर्चा की।

केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने जालंधर प्रवास के दौरान 'संपर्क से समर्थन' अभियान के तहत दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के संतों से भेंट की। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस आरपी नागरथ के मोहाली स्थित निवास पर, आनंदपुर साहिब की खरड़ विधानसभा में मिलकर मोदी सरकार की 9 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों व कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। सांसद रामचरण बोहरा संपर्क से समर्थन के तहत युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट हिमांशु गोयल से प्रदेश महामंत्री एवं सांसद दिया कुमारी नव मतदाताओं का सम्मान व अभिनंदन किया एवं युवा साथियों से संवाद कर मोदी सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की व मतदान के लिए प्रेरित किया। प्रदेश के अन्य सांसदों, वरिष्ठ नेताओं, प्रदेश पदाधिकारी व विधायकगण भी व्यापक स्तर पर संपर्क कर रहें हैं। इस अभियान के बेहद सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। प्रबुद्धजनों और विशिष्टजनों में मोदी सरकार के कार्यों के प्रति खासी सकारात्मकता दिखाई दे रही है।

नदी में मिला युवक का शव

पावटा, (निसं)। पावटा की ग्राम पंचायत बडनगर में स्टैंड के नीचे नदी में एक 25 वर्षीय युवक का शव मिला। मृतक युवक की पहचान किशोरपुरा थाना पाटन निवासी कालूराम पुत्र बजरंगलाल के रूप में हुई है। वहीं मृतक की मौत सुबह आठ से दस बजे के बीच होना बताया जा रहा है। मामले में बडनगर सरपंच रामकरण यादव ने बताया कि शाम को बच्चे खेलने आये थे। एक युवक के पड़े होने की खबर मुझे व गांव वालों को दी। वहीं इसकी सूचना प्रागपुरा थाना पुलिस को दी। जिसके बाद प्रागपुरा थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

प्रदेश में महिला अत्याचार और दुष्कर्म की घटनाओं में 22 प्रतिशत बढोत्तरी : जोशी

प्रदेश के गृहमंत्री टाइम पास, कैसे रूके दलित उत्पीडन और महिला अत्याचार : सी.पी. जोशी

- 'बीकानेर के खाजूवाला की घटना वीभत्स, सरकार पीड़ित परिवार की नहीं कर रही सुनवाई, राजस्थान हो रहा शर्मसार'

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने प्रदेश में बदहाल कानून व्यवस्था, महिला अत्याचार और दुष्कर्म के बढते मामलों को लेकर भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बीकानेर के खाजूवाला में दलित लड़की के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या के मामले में आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में साढे 4 साल में महिला दुष्कर्म की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि एन.सी.आर.बी. के अनुसार पूरे देश में सबसे अधिक दुष्कर्म की घटनाएं राजस्थान में दर्ज की गई हैं। प्रदेश में महिला अत्याचार और दुष्कर्म की घटनाओं में 22 प्रतिशत बढोत्तरी हुई है, जबकि मुख्यमंत्री कहते हैं कि दुष्कर्म के 56 फीसदी मामले फर्जी होते हैं। इन सभी घटनाओं ने प्रदेश को शर्मसार किया है। बेहद शर्म की बात है कि जहां सरकार को खाजूवाला में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना था, परिवार की मदद करनी थी वहां सरकार धरने पर बैठे पीड़ित परिवार से अभद्रता कर रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों द्वारा धरना प्रदर्शन के बाद सरकार चेती है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री दुष्कर्म की घटनाओं के रोष को भटकाने के लिए भाजपा और संघ पर ऊल-जलूल आरोप लगाते हैं। वहीं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा जिनका नारा स्लोगन 'लडकी हूं, लड़ सकती हूं' को यहां क्यों भुला दिया जाता है। उनके लिए राजस्थान केवल पर्यटन स्थल है, यहां वे पीड़ित महिलाओं के आंसू पोंछने नहीं आती। यहां उन्हें दलित महिलाओं पर अत्याचार नजर नहीं आते।

जोशी ने कहा कि खाजूवाला घटना में मुख्य रूप से जो आरोपी हैं, उनकी जल्द गिरफ्तारी कर कड़ी से कड़ी सजा देने और पीडित परिवार को एक करोड़ मुआवजा व आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग भी की। प्रदेश में स्थिति इतनी भयावह है कि दुष्कर्म पीड़िता जब न्याय के लिए पुलिस कमिश्नरेट जाती है, तब वहाँ बैठा अधिकारी रिश्वत में पीडिता की अस्मत मांगता है। प्रदेश में महिलाओं के लिए कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं है। जोशी ने कहा कि भाजपा की ओर से पहले भी मांग की गई है कि प्रदेश में पूर्णकालिक गृहमंत्री होना चाहिए जो किसी भी घटना की जिम्मेदारी ले सके और सक्षम जवाबदेही तय हो सके। महिला अत्याचार की बढती घटनाओं को रोक पाने में अक्षम मुख्यमंत्री गहलोत के भीतर यदि जरा सी भी नैतिकता बची है तो उन्हे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रेसवार्ता में प्रदेश मंत्री अशोक सैनी, लक्ष्मीकांत भारद्वाज, विजेन्द्र पूनियां एवं एससी मोर्चा प्रदेश महामंत्री मुकेश गर्ग मौजूद रहें।

व्यापारी के कर्मचारी से 31 लाख रुपए की लूट

- महज 30 सेकेंड में बदमाशों ने पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया

कोटा, (निसं)। शहर की गुमानपुरा इलाके में बुधवार को चाकू और बंदूक के बल पर व्यापारी के कर्मचारी से 31 लाख रुपए की लूट का मामला सामने आया है। इस दौरान बदमाशों ने चाकू मारकर कर्मचारी को घायल भी कर दिया जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पूरा घटनाक्रम रावतभाटा रोड पर गुमानपुरा सिंधी धर्मशाला के नजदीक सिंधी कॉलोनी एरिया का है। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

सीसीटीवी फुटेज के अनुसार बाइक सवार 5 बदमशों ने सामने से आ रहे स्कूटी सवार जीतू पर हमला कर दिया। उन्होंने पहले जीतू पर चाकू से हमला किया फिर उसको नीचे गिरा दिया। इस दौरान जीतू ने बैग को काफी देर तक पकड़े रखा। कुछ देर के संघर्ष के बाद बदमाश पैसों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। महज 30 सेकेंड में बदमाशों ने पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया। सभी बदमाश नकाबपोश थे। घटना की जानकारी मिलने पर पूरे बाजार में हड़कंप मच गया। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण जैन, पुलिस उप अधीक्षक द्वितीय अमर सिंह राठौड़ और सीआई मुकेश मीणा सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली। घायल को एमबीएस अस्पताल उपचार के लिए भेजा। डीएसपी अमर सिंह राठौड़ का कहना है कि घटना की जानकारी मिलने के बाद नाकेबंदी कराई गई। सीसीटीवी में 5 नकाबपोश बदमाश बाइक पर नजर आ रहे हैं लेकिन इनकी संख्या ज्यादा हो सकती है।ऐसे में पुलिस सभी तरह से अलर्ट मोड में हैइस घटना में शहर के अभय कमांड सेंटर के कैमरे भी देखे जा रहे हैं ताकि बदमाशों का पता लगाया जा सके।

जिंदल सेल्स के मालिक नितेश जिंदल का कहना है कि विनय गोयल का कर्मचारी जीतू उधार राशि लेकर जा रहा था। विनायक गोयल के पिता के बर्तन का कारोबार है। राशि उनके साले निखिल जिंदल ने विनय गोयल के कर्मचारी जीतू को दी थी। जीतू स्कूटी से पैसा लेकर जा रहा था।इस दौरान कुछ लोगों ने उसके साथ लूटपाट की है।

ससुराल में रह रहे युवक की संदिग्ध मौत

- पिता ने ससुराल वालों पर लगाया जहर देकर हत्या करने का आरोप

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के निहालगंज थाना क्षेत्र की शिवनगर पोखरा कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाले एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिस पर मृतक युवक के पिता ने ससुरालीजनों पर जहर देकर बेटे की हत्या करने का आरोप लगाया है। युवक अपने ससुराल में घर जमाई बनकर रह रहा था।

निहालगंज थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में मृतक युवक के पिता ने बताया है कि 3 दिन पूर्व जहर पिलाने की वजह से युवक भानु को गंभीर हालत में जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे उपचार के लिए आगरा रैफर कर दिया गया था। जिसने मंगलवार देर रात को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। युवक की मौत के बाद बुधवार सुबह पुलिस ने जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में युवक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। धनीना जगनेर आगरा निवासी मृतक युवक के पिता हेम सिंह ने बताया कि 2 वर्ष पूर्व मेरे बेटे भानु की शादी सैपऊं निवासी खुशबू पुत्री राजेंद्र के साथ हुई थी।

शादी के 1 साल बाद ही भानु की पत्नी खुशबू ने उसके पुत्र के खिलाफ दहेज एक्ट का मुकदमा दर्ज करा दिया था। इस मामले में राजीनामा होने के बाद भानु को ससुराल पक्ष के लोगों ने घर जमाई बनाकर शिव नगर कॉलोनी धौलपुर में किराए के मकान में ठहरा दिया। जहां युवक भानु टेंपो चलाकर अपने घर का गुजारा कर रहा था। 3 दिन पूर्व युवक की पत्नी खुशबू, मामा ससुर राजेश और सास सुनीता ने भानु के हाथ पैर बांधकर उसे जबरदस्ती जहर पिला दिया। जिसने उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मृतक युवक अपने पिता का इकलौता बेटा था। वहीं मृतक की पत्नी की गोद भी सूनी है।

26 जून से स्कूल शुरू होंगे

बीकानेर, (निसं)। प्रदेशभर में सरकारी और प्राइवेट स्कूल्स अब 26 जून से खुलेंगे। पहले ये स्कूल 24 जून से खुलने वाले थे। शिक्षा विभाग ने अपने पंचांग में परिवर्तन कर दिया है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक कानाराम ने आदेश दिए हैं। शिविरा पंचांग में 23 जून तक के लिए ग्रीष्मावकाश घोषित किया था। अब ग्रीष्मावकाश बढ़ाकर 25 जून तक कर दिया गया है। ऐसे में स्कूल अब 24 जून के बजाय 26 जून से वापस शुरू होंगे। इसी दिन से स्कूल स्टूडेंट्स और टीचर्स को आना होगा। वहीं बड़ी संख्या में प्राइवेट स्कूल जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू होंगे। प्राइवेट स्कूल्स टीचर्स को पहले बुलाते हैं और उनकी ट्रेनिंग करवाते हैं। वहीं सरकारी स्कूल्स के टीचर्स की ट्रेनिंग हो चुकी है। खासकर प्राइमरी स्कूल्स के टीचर्स की ट्रेनिंग सरकारी व प्राइवेट में दोनों में होती है। सरकारी स्कूलों में फ्री पढ़ाई (आरटीई) के एडमिशन भी इसी महीने पूरे हो जाएंगे। इसके बाद प्राइवेट सरकारी स्कूल्स में एडमिशन का सिलसिला तेज होगा। अब तक महात्मा गांधी स्कूल्स में भी एडमिशन कम हुए हैं।

अजमेर केन्द्रीय कारागार में तैनात जेल प्रहरियों ने किया मैस का बहिष्कार, धरने पर बैठे

वेतन विसंगति को दूर करने की मांग को लेकर लम्बे समय से संघर्ष कर रहे है जेल प्रहरी

अजमेर, (कासं)। वेतन विसंगति को दूर करने की मांग को लेकर लम्बे से संघर्ष कर रहे केंद्रीय कारागार अजमेर में तैनात जेल प्रहरियों ने बुधवार को राजस्थान एकीकृत महासंघ के बैनर तले अनिश्चितकाल तक मैस का बहिष्कार कर धरने पर बैठ गये। प्रहरियों का कहना है कि गत दिनों से काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन आज दिन तक उनकी मांगों पर कोई वार्ता नहीं हुई।

वेतन विसंगति को दूर करने की मांग को लेकर लम्बें से संघर्ष कर रहे केंद्रीय कारागार अजमेर में तैनात जेल प्रहरियों ने बुधवार को राजस्थान एकीकृत महासंघ के बैनर तले अनिश्चितकाल तक मैस का बहिष्कार कर धरने पर बैठ गये। प्रहरियों आरोप है कि गत दिनों से काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन आज दिन तक प्रशासन उनकी मांगों पर कोई वार्ता तक करने के लिये तैयार नहीं है।

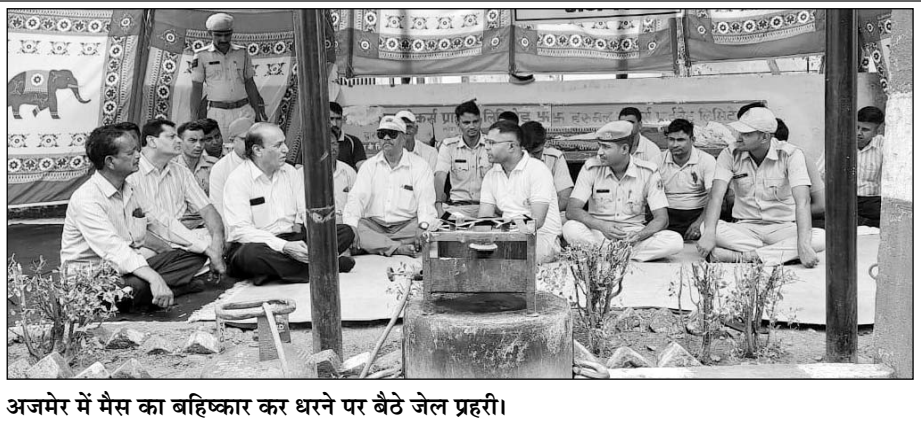

अजमेर में मैस का बहिष्कार कर धरने पर बैठे जेल प्रहरी।

राजस्थान एकीकृत महासंघ के जिलाध्यक्ष कांति लाल शर्मा ने बताया कि राजस्थान की सभी जेलों में तैनात जेल प्रहरी बुधवार से मैस का बहिष्कार करते हुए धरने पर बैठ गये हैं। जेल प्रहरियों की मांग है कि करीब चार माह पूर्व जेल प्रहरियों द्वारा मैस का बहिष्कार कर आंदोलन किया था उस समय प्रदेश के मुख्यमंत्री व जेल डीजी की मौजूदगी में लिखित में समझौता हुआ था, लेकिन आज दिन तक उक्त समझौते को प्रदेश सरकार ने न तो अमल में लाई और न ही कोई फिर से इस मामले सरकार की ओर से चर्चा हुई है। जिसके चलते विगत दिनों से जेल प्रहरी काली पट्टी बांधकर विरोध कर रहे थे, लेकिन आज दिन तक सुनवाई नहीं होने से मैस का बहिष्कार कर धरने पर बैठना पड़ा। वेतन विसंगती को दूर करने की मांग जेल प्रहरियों द्वारा 1998 से चली आ रही है।

- प्रहरियों आरोप है कि आज दिन तक प्रशासन उनकी मांगों पर कोई वार्ता तक करने के लिये तैयार नहीं है